अध्यादेश-५८ की कंडिका-10 के प्रावधानानुसार डी.लिट. संस्कृत शोध-प्रबंध के मौखिक प्रस्तुतिकरण हेतु स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आज मंगलवार दिनांक 18 जनवरी 2022 को पूर्वान्ह 10.30 बजे कुलपति सचिवालय सभा-कक्ष में आयोजित की गई -

उपस्थिति -

1. डॉ. केशरी लाल वर्मा — अध्यक्ष कुलपति,
2. प्रो. किशोर-चंद्र पाढी, पुरी — बाह्य विशेषज्ञ
3. प्रो. भगवन्त सिंह — अध्यक्ष, कला संकाय
4. प्रो. शैल शर्मा — अध्यक्ष, अध्ययनशाला
5. डॉ. सत्येन्दु शर्मा — अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन मंडल

कार्यवृत -

शोधार्थी डॉ. राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास द्वारा पी.पी.टी. माध्यम से समिति के समक्ष शोध-प्रबंध का प्रस्तुतिकरण किया गया। शोधार्थी द्वारा अध्यादेश-५८ (क) के पालन में प्रकाशित शोध पत्रों का अवलोकन समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। प्रस्तुत शोध-प्रबंध एवं शोध-सारांश का अवलोकन किया गया। बैठक में समिति के सदस्यों के

अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं संस्कृत के विद्वतजन उपस्थित हुए।

शोधार्थी का नाम - डॉ. राजेश्री महंत रामसुन्दर दास
शोध केन्द्र - शास० दूधाधारी श्री वैष्णव संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर
शोध का शीर्षक - संस्कृतरामायणेषु धर्मशास्त्रीयविचारः - एकमध्ययनम्

शोधार्थी द्वारा शोध-प्रबंध के प्रस्तुतिकरण के उपरांत समिति यह अनुशंसा करती है कि शोध-प्रबंध मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किया जाए।

(प्रो. भगवन्त सिंह)
संकायाध्यक्ष

18/11/2022
(प्रो. के. सी. पाढी)
बाह्य विशेषज्ञ

(डॉ. सत्येन्दु शर्मा)
अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन मण्डल

Shail Sharma
(प्रो. शैल शर्मा)
अध्यक्ष, अध्ययन शाला

(डॉ. केशरी लाल वर्मा)
अध्यक्ष